नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
ज्ञान शांति मैत्री
जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com
वेबसाइट : www.hindivishwa.org

'प्रजा इतिहास रचती है' का मंचन

वर्धा, 15 दिसंबर 2016: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के प्रदर्शनकारी कला विभाग के एम.ए. प्रथम छमाहीं की व्यावहारिक परीक्षा के अंतर्गत 'प्रजा इतिहास रचती है' नाटक का

मंचन हबीब तनवीर सभागार में किया गया। लगभग डेढ़ घण्टे का यह नाटक बुंदेल खंड की एक ऐसी लोक कथा

पर आधारित है, जिसमें तत्कालीन शासन से उत्पन्न अराजकता और 1857 के जनविद्रोह की झांकी प्रस्तुत की गयी।

समाज के निम्नवर्ग ने अव्यवस्था और शोषण के विरुद्ध किस प्रकार अपनी भूमिका निभाई, नाटक उस इतिहासबोध से परिचित कराने में सफल रहा। नाटक के लेखक अजित पुष्कल हैं।

नाटक का निर्देशन प्रदर्शनकारी कला विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. अश्विनी कुमार सिंह ने किया जिसमें अभिषेक सिंह (राजा), अभय कुमार (सिपाही), विष्णु कुमार (साह), राजू बावने (जमींदार), सताक्षी मिश्रा (किसान

की पत्नी) मिथुन (कारिंदा और जुलाहा), अंकुश डांगे(जुलाहा और पौरिया) अमित, सलीम और शुभम ने जुलाहे की भूमिका निभाई। इनके सहयोगी के रूप में बी.वोक. के विद्यार्थी शिवकुमार (डउवा), ममता यादव (मुलिया), रामलखन (जुलाहा और पौरिया) तथा स्त्री अध्ययन विभाग के शोधार्थी श्यामप्रकाश (मुंशी) की भूमिका में शामिल रहे। संगीत संयोजन सुशील ससाने और गौरी शंकर तथा कोरस गीत और मंच व्यवस्थापन सुनील, सद्दाम, ब्रिजनाथ, राजशेखर और

धर्मराज का था। प्रकाश संयोजन सुहास नगराले और सुभास देव का था। प्रस्तुति के दौरान संकायाध्यक्ष प्रोफेसर कृष्ण

कुमार सिंह, विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सुरेश शर्मा और राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय के ललितकला विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. संयुक्ता थोरात, सहायक प्रोफेसर सुरभि विप्लव के साथ विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।